दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2023–24 दिनांक 16.12.2023

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 16 दिसंबर, 2023 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विजय दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। **कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बलवान सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, भटवली महाविद्यालय, भटवली बाजार (उनवल), गोरखपुर** में अपने उद्बोधन में कहा कि आज के दिन ही भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने पाकिस्तान पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त करके पाकिस्तान को दो टुकड़ों में विभाजित कर दिया था। उन्होंने बी. एच. लिटिल हार्ट के प्रमुख विचार **'अप्रत्यक्ष उपायों की स्त्रातजी'** को रेखांकित करते हुए कहा कि किसी भी युद्ध में प्रत्यक्ष उपायों के अतिरिक्त अप्रत्यक्ष उपायों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। भारत ने भी 1971 में पाकिस्तान पर विजय प्राप्त करने के लिए प्रत्यक्ष उपायों के साथ–साथ अप्रत्यक्ष उपायों को भी अपनाया था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश मुक्ति के बीज तो 1947 में ही बो दिए गए थे। पाकिस्तान सरकार की गलत और भेदभावपूर्ण व्यवहार में खाद और पानी का काम किया। जिससे पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश के रूप में स्थापित हो सका। बांग्लादेश या तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान का रहन–सहन भाषा एवं संस्कृति पश्चिमी पाकिस्तान से तो भिन्न थी ही अपितु आवामी लीग का उचित प्रतिनिधित्व एवं सरकार में नगण्य भागीदारी ने भी इस मुक्ति अभियान को अधिक तीव्रता प्रदान की। साथ ही फील्ड मार्शल जे.एफ. मानिकशा की युद्ध नीति, सूझबूझ तथा नेतृत्व क्षमता ने इस युद्ध में भारत को निर्णायक विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अमेरिका, पाकिस्तान के गठजोड़ को ध्वस्त करते हुए भारत रूस के साथ जो मैत्री संधि अगस्त 1971 में की थी। इस संधि ने भी युद्ध की स्थिति को नियंत्रित करने, अर्न्राष्ट्रीय दबाव को कम करने तथा युद्ध में विजय प्राप्त करने में महती भूमिका निभायी।

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि पूर्वी एवं पश्चिमी पाकिस्तान भारत के दोनों सिरों पर चुनौतियां उत्पन्न करने के लिए 1947 से ही प्रयासरत रहे लेकिन पूर्वी पाकिस्तान की बदलती राजनीतिक स्थिति ने और पश्चिमी पाकिस्तान द्वारा पूर्वी पाकिस्तान के साथ तानाशाही व्यवहार ने दोनों हिस्सों में मतभेद उत्पन्न कर दिया। जिसके कारण बांग्लादेश मुक्ति अभियान की शुरुआत हुई और भारत–पाकिस्तान युद्ध 1971 की नींव पड़ी। फील्ड मार्शल मानेकशॉ और पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा ने अपने कुशल नेतृत्व से इस युद्ध में न केवल विजय दिलाई अपितु 93000 पाकिस्तानी सैनिको से आत्मसमर्पण कराने में भी सफल रहे। आज के दिन हम युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को याद करते हुए गर्व का अनुभव करते हैं। भारत ने बांग्लादेश से मुक्ति अभियान में एक धाय मां की भूमिका का निर्वाह कर उसे पाकिस्तान से मुक्त होने में सहायता प्रदान की ।

इस कार्यक्रम में, 26 नवंबर 2023 को 'मुंबई हमला 2008' में मारे गए शहीदों की याद में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें 93 पंजीकृत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। जिसमें प्रथम स्थान विजय लक्ष्मी यादव बी. ए. भाग 3 (पंचम सेमेस्टर), द्वितीय स्थान श्रेया तिवारी बी.ए .भाग 2 (तृतीय सेमेस्टर) तथा तृतीय स्थान वैष्णवी पाण्डेय बी.ए.भाग 2 (तृतीय सेमेस्टर) ने प्राप्त किया था। उनको आज पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. रामप्रसाद यादव एवं **आभार ज्ञापन डॉ. शुभ्रांशु शेखर शेखर सिंह** ने किया इस कार्यक्रम में **महाविद्यालय मुख्य नियंता प्रो. धीरेंद्र सिंह, आई.क्यू.ए.सी.के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, डॉ. इन्द्रेश पाण्डेय, श्री विकास कुमार पाठक, डॉ. शैलेश सिंह, श्री राकेश सिंह, श्री अंकित पाण्डेय, श्री राजकुमार** सहित विभाग के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क